2009 माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल मु.उ.पु. 24 पृष्ठ

कार्यालयीन उपयोग के लिए

निम्न रिक्तियों की सही प्रविष्टि परीक्षार्थी द्वारा की जाए।

परीक्षा के नाम की सील: हाई स्कूल परीक्षा नियमित

1. विषय कोड 4 0 1 परीक्षा का विषय Hindi (General)

2. परीक्षा का माध्यम English परीक्षा की दिनांक 19-03-2009

3. परीक्षार्थी प्रश्न पत्र का पूर्ण कोड नम्बर (सेट A, B, C, या D) अनिवार्यतः भरें

कोड	सेट
T-1002	

केन्द्र क्रमांक की सील

केन्द्र क्रमांक 561002

स्टीकर तीर के निशान से मिलाकर लगायें

[redacted]

परीक्षार्थी का अनुक्रमांक (अंग्रेजी अंकों में)

1	9	5	6	1	6	1	2	6

नीचे दिये प्रत्येक कालम में ऊपर दिये गये अनुक्रमांक के अंकों को उसी क्रम में शब्दों में लिखा जाए :-

[redacted]	Nine	Five	Six	One	Six	One	Two	Six

[redacted]

पर्यवेक्षक/केन्द्राध्यक्ष का प्रमाणीकरण

प्रमाणित किया जाता है कि परीक्षार्थी द्वारा निम्नानुसार पूरक उत्तरपुस्तिका ली गई है :-

क :- संख्या शब्दों में X अंकों में X

ख :- परीक्षार्थी की बैठक व्यवस्था कक्ष क्रमांक Hall में है।

ग :- उत्तर पुस्तिका पर प्रश्न-पत्र का कोड नम्बर एवं सेट सही लिखा है।

हस्ताक्षर (पर्यवेक्षक)

नाम M. Rashi पद S.S.1

पता/संस्था M.L.B. KNW

परीक्षार्थी द्वारा ली गई सभी पूरक उत्तर पुस्तिकायें, मुख्य उत्तर पुस्तिका के साथ संलग्न हैं।

हस्ताक्षर केन्द्राध्यक्ष

BSEMP

प्रश्न	
1	[illegible]
2	[illegible]
3	[illegible]
4	[illegible]
5	[illegible]
6	[illegible]
7	[illegible]
8	[illegible]
9	[illegible]
10	[illegible]
कुल प्राप्तांक	

परीक्षार्थी, परीक्षक से अपेक्षा है कि वे पृष्ठ भाग पर दिये गये निर्देशों का यथेष्ट पालन सुनिश्चित करेंगे।

प्रमाणित किया जाता है कि उपरोक्तानुसार संलग्न पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की चस्पा स्थिति में यथावत् रखते हुए ही उत्तरपुस्तिका का मूल्यांकन किया गया है। पुस्तिका के अन्दर के अंक एवं कव्हर पृष्ठ पर दर्शाये अंक एक समान हैं।

हस्ताक्षर (परीक्षक) हस्ताक्षर (उपमुख्य परीक्षक) हस्ताक्षर (मुख्य परीक्षक)

परीक्षक क्रमांक 9/1068 दिनांक........ दिनांक........

परीक्षार्थी के लिए निर्देश

1. परीक्षार्थी को अपना अनुक्रमांक/विषय/माध्यम/दिनांक एवं प्रश्न–पत्र का कोड (समूह) मुख पृष्ठ पर अंकित करना अनिवार्य है। अन्यत्र कहीं भी नहीं लिखा जाएगा।
2. अनुक्रमांक नीचे दिये गए उदाहरण अनुसार लिखा जाए :–

1	8	2	4	3	9	5	6	8
एक	आठ	दो	चार	तीन	नौ	पाँच	छः	आठ

3. उत्तर पुस्तिका के दोनों ओर पृष्ठों में लिखें। बीच में रिक्त स्थान न छोड़ें। भूल से छूटा/रिक्त स्थान तथा शेष खाली पृष्ठों को क्रास किया जाए।
4. परीक्षार्थी प्रश्न पत्र हल करते समय ही, कव्हर पृष्ठ पर दी गई तालिका में प्रश्न क्रमांक के सम्मुख वाले कालम में उत्तरपुस्तिका का वह पृष्ठ क्रमांक अनिवार्य रूप से अंकित करें जिस पर प्रश्न का उत्तर लिखा गया है। यदि पूरक उत्तरपुस्तिका का उपयोग किया गया हो, तो उस पर 25 से प्रारंभ करते हुए पृष्ठ क्रमांक परीक्षार्थी द्वारा स्वयं डाले जाएँ।

परीक्षक के लिए निर्देश

1. केवल उन्हीं उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन करें जिन पर होलो क्राफ्ट स्टीकर चस्पा है।
2. उत्तरपुस्तिका का मूल्यांकन होलो क्राफ्ट स्टीकर को चस्पा स्थिति में यथावत् रखते हुए ही किया जाये।
3. बिना होलो क्राफ्ट स्टीकर वाली तथा फटे हुए होलो क्राफ्ट स्टीकर वाली सभी उत्तरपुस्तिकाऐं मूल्यांकन हेतु परीक्षा नियंत्रक, माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल को व्यक्तिशः रूप से भेजी जाये।

मूल्यांकन केन्द्र के लिए निर्देश

1. **O.M.R. SHEET** पर प्राप्तांक की प्रविष्टि करने हेतु केवल वही उत्तरपुस्तिकाएँ प्राप्त करें, जिनका मूल्यांकन होलो क्राफ्ट स्टीकर को चस्पा स्थिति में यथावत् रखते हुए ही किया गया है। यदि होलो क्राफ्ट स्टीकर फटा हुआ पाया जाता है तो ऐसी उत्तरपुस्तिकाऐं मूल्यांकन केन्द्र अधिकारी को पृथक से सौंपी जाएँ। ऐसे प्रकरणों के प्राप्तांकों की प्रविष्टि **O.M.R. SHEET** में नहीं की जाए। मूल्यांकन केन्द्र अधिकारी ऐसी उत्तरपुस्तिकाऐं पुनः मूल्यांकन के लिये परीक्षा नियंत्रक, माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल को व्यक्तिशः रूप से सौपेंगे।
2. उत्तरपुस्तिका के मुख्य पृष्ठ में अंकों एवं शब्दों में अंकित प्राप्तांकों को मिलान कर **O.M.R. SHEET** में अंकों की सटीक प्रविष्टि करें।
3. **O.M.R. SHEET** पर प्रमाणीकरण कर हस्ताक्षर करें।

3 [ ] + [ ] = [ ]

पृष्ठ 3 के अंक — कुल अंक

मध्यप्रदेश

BSIMP

"वस्तुनिष्ठ प्रश्न"

1) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :-

(i) तुलसीदास राम-भक्ति शाखा के कवि थे।

(ii) संस्कृति की प्रवृत्ति महाफल देने वाली होती है।

(iii) पीड़ा को दुलराने वाले घनश्याम है।

(iv) 'सरस्वती' पत्रिका का सम्पादन महावीर प्रसाद द्विवेदी ने किया

(v) 'सिंगार' शब्द का तत्सम रूप श्रृंगार है।

2) प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य अथवा एक शब्द में दीजिए :-

(i) होली खेलने के लिए 'मीरा' फागुन के कितने दिन मानती है?

उत्तर:- चार।

(ii) 'सच्ची वीरता' निबन्ध के लेखक कौन है?

उत्तर:- सरदार पूर्ण सिंह।

(iii) 'जो कम बोलता हो' शब्द समूह का एक शब्द बताइए?

उत्तर:- मूक।

[ ] का योग

(iv) 'एक अनार सौ बिमार' का क्या अर्थ है?
उत्तर:- अर्थ – "वस्तु कम पर उपयोग करने वाले अधिक"।

(v) समस्यामीत का बहाना बनाने वाले कहाँ तक नहीं पहुँच पाते?
उत्तर:- उन्नति।

(3) सही जोडी बनाइये:-

'क'	'ख'
(i) इस नदी की धार में	→ दुष्यन्त कुमार।
(ii) तुम वही दीपक बनोगे	→ दिवाकर वर्मा।
(iii) हर्ष, विस्मय, घृणा, खुशी, शोक, करुणा आदि भावों के लिए प्रयुक्त किया जाता है	→ विस्मयादि सूचक चिन्ह।
(iv) मजदूरी और प्रेम	→ सरदार पूर्ण सिंह।
(v) 'क्षणिक' का विलोम है	→ शाश्वत।

B S E M P

पृ... का योग

4) सत्य / असत्य का विकल्प चयन कीजिए :-

(i) 'संस्मरण' में कल्पना तत्व प्रधान होता है।
उत्तर :- सत्य।

(ii) 'साये में धूप' दुष्यन्त कुमार का ग़ज़ल-संग्रह है।
उत्तर :- सत्य।

(iii) 'नववर्ष मंगलमय हो' इच्छावाचक वाक्य है।
उत्तर :- सत्य।

(iv) 'कर्मवीर' कविता में 'ओज' गुण है।
उत्तर :- सत्य।

(v) अर्थ के आकार पर वाक्यों को दस भागों में बाँटा जा सकता है।
उत्तर :- सत्य।

5) सही विकल्प चुनकर लिखिए :-

(i) 'राष्ट्र संवर्धन' का सबसे सबल कार्य है :-
उत्तर :- संस्कृति की साधना।

(ii) 'तुम्हारी विरासत' कविता का स्वर है :-
उत्तर :- आस्थावादी।

B S MP

(iii) समास में पद होने चाहिए :-
उत्तर :- दो।

(iv) "यह कुटुम्ब एक महान वृक्ष है, हम सब इसकी डालियाँ हैं।"
यह कथन है :-
उत्तर :- दादाजी का।

(v) 'मजदूरी और प्रेम' निबन्ध के अनुसार सच्चा आनंद प्राप्त होता है :-
उत्तर :- श्रम से।

उत्तर- 6 कर्मवीर मनुष्यों की विशेषताएँ निम्न लिखित हैं :-

(i) यह अपने सामने आने वाली बाधाओं से घबराते नहीं हैं।

(ii) यह भाग्य के भरोसे नहीं होते हैं।

(iii) यह कार्य की कठिनता से घबराते नहीं हैं।

(iv) यह कार्य को पूर्णता प्रदान करते हैं।

(v) यह अपने वर्तमान और भविष्य की तनिक भी चिंता नहीं करते हैं।

(vi) यह पर्वतों को काटकर सड़के बना देते हैं।

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

(vii) यह जंगल मे महामंगल मचा देते है।

(viii) राह संकेत अपने मार्ग को प्रशस्त करने मे लगे रहते है।

उत्तर- बरखा गीत के अनुसार वर्षा के आगमन पर धरती पर निम्न परिवर्तन होते है:-

(i) पूरी धरती हरी-भरी हो जाती है।

(ii) पानी के जो स्त्रोत रिक्त हो चुके है, वे भी भर गए है।

(iii) चारो ओर हरियाली छा जाती है।

(iv) चारो ओर खुशहाली छा जाती है।

(v) मरूस्थल मे भी थोडी हरियाली छा जाती है।

(vi) व आसमान मे काले बादल छा जाते है।

(vii) चारो ओर मधुबन की महक फैल जाती है।

(viii) वृक्षो की छाया और अधिक गहरी और घनी हो जाती है।

BSEMP

पृष्ठ के अंको का योग

8

पृष्ठ पूर्व + पृष्ठ १ क अंक = कुल अंक

मध्यप्रदेश

उत्तर 8 'तुम वही दीपक बनोगे' कविता मे कवि "श्री दिवाकर वर्मा" जी ने जमाने की चलन को सुधारने के लिए युवाओ से निम्न अपेक्षाएँ की है :-

(i) कवि युवाओ से कहते है कि अमावस की काली रात को भी तुम प्रकाशमय बना सकते हो।

(ii) वायुमण्डल और समाज मे जो आज वैषैली गैसे फैल रही है उन्हें तुम अपनी मदगस्त कर देने वाली हवाने से नष्ट कर सकते हो।

(iii) कवि कहते है कि आज संसार मे कोई खुश नही है। सभी की रागिनी बेसुरी हो गई है। तुम (युवा) उस मलय पर्वत की हवा की तरह बहोगे जो लोगो मे फिर से खुशहाली ला सकती है।

(iv) कवि कहते है कि आज दुख और निराशा की लपटे चारो ओर से उठ रही है। तुम उसे बुझा सकते है।

(v) आज संसार मे कोई खुश नही है। चारो ओर दूरियाँ बढ़ रही है, नए समाज बन रहे है। मनमुटाव बढ़ रहे है। तुम (युवा) उसी वासंती हवा की तरह बहोगे जो इसे खुशहाली मे बदल सकती है।

BSP

पृष्ठ क... योग

9

कुल अंक

उत्तर-9 सम्राट अशोक के चरित्र की विशेषताएँ निम्न हैं :-

(i) वे परम वीर योद्धा थे।

(ii) वे अजेय थे।

(iii) वे विनम्र और उदार थे।

(iv) वे दृढ़ निश्चयी थे।

(v) वे गुणों को ग्रहण करने वाले थे।

(vi) वे स्त्रियों का सम्मान करते थे।

उत्तर-10 "कश्मीर की मिट्टी मे ही प्यार और मुहब्बत की महक है। यहाँ की प्रकृति मे जिस प्रकार के रंग व खुशबु यहाँ के सेब और केसर मे डाले है वैसे हि रंग उस प्रकृति ने यहाँ के लोगों मे अर्थात युवक और युवतियों मे दिल खोलकर प्रदान किए हैं। यहाँ के लोगो मे निम्न बाते अत्यधिक पाई जाती है :-

(i) यहाँ के लोगो मे प्यार - दुलार है।

(ii) यहाँ के लोगो मे अपनेपन की भावना है।

(iii) यहाँ के लोगो मे भाईचारा है।

(iv) यहाँ के लोगो मे एक-दूसरे को समझने की भावना है।

(v) यहाँ के लोगो मे एक-दूसरे के प्रति सहानुभूति है।

(vi) यहाँ के लोगो मे सुख-दुख बाँटने की शक्ति है।

उत्तर- 11 प्रसन्नचित्त व्यक्ति को देखकर लोग प्रसन्न होते है, उसकी ओर आकर्षित होते है और उससे मैत्रि प्राप्त करना चाहते हैं। प्रसन्नता एक आध्यात्मिक वृत्ति है, एक दैवी चेतना है। इसका आश्रय लेने वाले के सभी शोक-संताप दूर हो जाते हैं। प्रमुदित मन और प्रसन्नचित्त व्यक्ति के पास बैठकर लोग अपने दुख को भूल जाते हैं और वे लोग सुख सुख और शांति का अनुभव करते है। प्रसन्न रहने से लोगो के दुख कम हो जाता है। इससे तनाव कम होता है। जिससे हम रक्तचाप, सिरदर्द, पेप्टिक अल्सर, हृदय रोग और आदि कई से बच सकते हैं। इससे चहरे की कान्ति खिलती है। ... का संतुलन ठीक बैठता है। पित्त का शमन होता है जो एसिडिटी का प्रमुख कारण होता है। प्रमुदित व्यक्ति एक देवदूत की तरह होता है। जो संसार के कलुषो को दूर कर देता है।

उत्तर- 12 एकांकी :- यह हिन्दि गद्य काव्य कि एक अति महत्व पूर्ण रचना है। इसका अर्थ "एक अंकीय" नाटक से होता है। इसमे सिमित पात्र होते हैं। लेकिन दृश्य अनेक हो सकते हैं। इसमे एकांकीकार का मुख्य उद्देश्य किसी एक घटना या कहानी को सम्यक रूप से दर्शाना होता है।

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

दो एकांकीकार निम्न लिखित है :-

(i) उपेन्द्र नाथ 'अश्क' :- सूखी डाली।
(ii) उदय शंकर भट्ट :- असली - नकली।

13) (क) दो वाक्य शुद्ध करके लिखिए :-

(अ) हमारी देश की सरकार ईमानदार है।
⇒ हमारे देश की सरकार ईमानदार है।

(ब) कश्मीर की सौन्दर्यता मनमोहक है।
⇒ कश्मीर की सुंदरता मनमोहक है।

(ख) वर्तनी शुद्ध कीजिए :-

(i) उज्जैनी ⇒ उज्जैयिनी।
(ii) ज्योतसनो ⇒ ज्योत्स्ना।

प्र. 14 (क) तत्सम रूप लिखिए :-

(i) आग ⇒ अग्नि
(ii) गाँव ⇒ ग्राम।

(ख) तद्भव रूप लिखिए :-

B
MP

अंकों का योग

(i) शयन ⇒ सोना।

(ii) सूर्य ⇒ सूरज।

प्र- 15 (क) सन्धि - विच्छेद कर सन्धि नाम लिखिए :-

(i) सूर्योदय	⇒ सूर्य + उदय	स्वर संधि।
(ii) महात्मा	⇒ महा + आत्मा	स्वर संधि।

(ख) समास - विग्रह कर समास नाम बताइए :-

(i) माता - पिता	⇒ माता और पिता	द्वन्द्व समास।
(ii) रात - दिन	⇒ रात और दिन	द्वन्द्व समास।

~~उत्तर- 16) लेखक श्रीमन्नारायण व्यास के अनुसा~~

उत्तर- 16 लेखक श्री "डॉ. वासुदेवशरण अग्रवाल" के अनुसार संस्कृति शब्द बड़ा व्यापक शब्द है। प्रत्येक राष्ट्र की अपनी-अपनी अलग प्रकार की संस्कृति होती है। जो कि विभिन्न देशों की संस्कृति से मिलकर बनाई जाती है। प्रत्येक मानव को उसकी स्वयं की संस्कृति अच्छी लगती है और उसे अपनी संस्कृति पर गर्व होता है। यह संस्कृति लेखक के हिसाब से मनों का मन, प्राणों का प्राण और शरीर का शरीर निरूपित किया गया है।

"डॉ. वासुदेवशरण अग्रवाल" के हिसाब से संस्कृति की निम्न विशेषता होती है :-

(i) संस्कृति की प्रवृत्ति महाफल देने वाली होती है।

(ii) संस्कृति मनुष्य के भूत, वर्तमान और भावी जीवन के सर्वांगीण विकास उसकी पूर्णता का आधार है।

(iii) अपने जीवन के उन्नति, विकास और आनंद के लिए मनुष्य को अपनी संस्कृति की सुधि लेनी चाहिए।

(iv) मनुष्य के रहन-सहन का ढंग उसकी संस्कृति है।

(v) जीवन के नानाविध रूपों का समुदाय संस्कृति है।

(vi) धर्म, कला, साहित्य सभी इसी के अंग हैं।

(vii) सांस्कृतिक कार्य कल्पवृक्ष की तरह महा फलदायी होती है।

(viii) राष्ट्र संवर्धन का सबसे प्रबल कार्य संस्कृति की साधना होती है।

17) एक पद्यांश का संदर्भ प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए :-

⇒ "आज — — — — — — — — — — — स्वाद ।।"

पृष्ठ के अंकों का योग

BSEMP

प्रसंग :- प्रस्तुत पद हमारी पाठ्य पुस्तिका "वासंती" के पाठ "शबरी" नामक कविता से ली गई है। इसके कवि डॉ. "प्रेम भारती" है।

संदर्भ :- प्रस्तुत पद मे श्रीराम ; शबरी को उसके द्वारा दिए गए मीठे फलो (बेर) के लिए धन्यवाद कर रहे है।

व्याख्या :- कवि कहते है कि जब श्रीराम शबरी के द्वारा दिए गए मीठे बेरो का सेवन करते है। तब वे अत्याधिक प्रसन्न होते है। उनके पास शबरी को धन्यवाद देने के लिए शब्द भी नही बचे है। वे शबरी से कहते है आज इतने दिनो के बाद इस कुटिया मे मेरे और मेरे भाई लक्ष्मण के सारे दुख (विषाद) मिट गए है। वे शबरी से कहते है कि जिस दिन से वे अवध को त्याग कर आए है उस दिन के बाद आज उस कुटिया मे उन्हे अर्थात उनके मन को फिर से स्वाद मिला है।

18)

उत्तर- (अ) उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक है - "माँ"।

उत्तर - (ब) मनुष्य को संसार से "माँ" परिचित कराती है। मनुष्य को संसार से बाँधने वाला विधाता "माँ" है।

उत्तर "माँ और मातृभूमि पूरे संसार मे वन्दनीय है। "जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरियसि।"

BSLMP

पृष्ठ के अंकों का योग

19)

उत्तर-(अ) उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक - "युवक"/ "युवा वर्ग"।

उत्तर-(ब) युवा वर्ग अगर ठान ले तो वह "युग की नई तस्वीर दे सकता है।"

उत्तर-(स) युवा अपनी गर्जना से शत्रुओं के कलेजे को चीर सकता है।

20)

"आमन्त्रण - पत्र"

23, टपालचाल,
गुरुद्वारे के पास
खण्डवा [म.प्र.]
दिनांक :- 19-03-09

प्रिय मित्र,

कैसे हो मैं यहाँ कुशल पूर्वक हूँ। आशा करता हूँ कि मेरे इस पत्र ने तुम्हारी तबीयत को हरा-भरा कर दिया होगा। तुम्हारी वार्षिक परीक्षा कैसी चल रही है। मेरी तो यहाँ पर वार्षिक परीक्षा बहुत अच्छी जा रही है। मैंने तुम्हें यह पत्र इसलिए लिखा है कि मैं तुम्हे अपने जन्म दिवस के लिए आमंत्रण दे रहा हूँ जो कि 28 मार्च को है। तुम अपने पूरे परिवार के साथ आना। मेरे दूसरे भी और कई दोस्त आ रहे हैं हम सब मिलकर खूब मस्ती करेंगे। मैं तुम्हारे पत्र का इंतजार करूँगा।

मम्मी-पापा कैसे है। उन्हें मेरा प्रणाम करना।

मधुबन गार्डन, खण्डवा।

BSEMP

समय - सायं 6 बजे से रात 10 बजे तक।

तुम्हारा मित्र

अ - ब - स

8)

निबन्ध

"विज्ञान: वरदान या अभिशाप"

"विज्ञान सभी सफलताओ की पूँजी है"

प्रस्तावना :- आज का युग, विज्ञान का युग है विज्ञान के कदम मनुष्य जीवन मे तेजी से बढ़ रहे है। आज विज्ञान ने मनुष्य जीवन मे इतनी प्रगति कर ली है कि हम सब विज्ञान के बिना अपनी जिंदगी की कल्पना तक नही कर सकते है। सुबह उठने से रात मे सोने तक हम विज्ञान के द्वारा बनाई गई वस्तुओ का इस्तेमाल करते है। विज्ञान ने मानव जीवन को हर क्षेत्र मे प्रभावित किया है। विज्ञान के द्वारा आज हमारा जीवन अत्याधिक सरल बन गया है।

मनुष्य जीवन मे विज्ञान :- विज्ञान ने मनुष्य को हर क्षेत्र मे प्रभावित किया है जिससे मानव जीवन ने सफलताओ के नए मुकाम पा लिए है।

(i) दैनिक जीवन मे :- दैनिक जीवन मे विज्ञान का एक बहुत हि महत्वपूर्ण स्थान बन गया है आज जो व्यक्ति पहले काम को दो घंटो मे करता था, आज वही

व्यक्ति उसे चंद मिनटों मे कर देता है। दैनिक जीवन मे विज्ञान का मानव जीवन को सरल बनाने मे एक अहम योगदान दिया है। विज्ञान के द्वारा दिए गए पंखे, लाईट, बल्ब, कूलर, प्रेस, सी.एफ.एल, कुकर, टोस्टर, केटली, ओवन आदि प्रदान किए है जिससे मानव जीवन बहुत हि सरल हो गया है।

(ii) कृषि के क्षेत्र मे :- कृषि के क्षेत्र से विज्ञान की उपयोगिता से कोई भी अपना मुँह नही फेर सकता विज्ञान ने कृषि के क्षेत्र मे नई क्रान्ति ला दी है। विज्ञान के द्वारा दिए गए नई-नई प्रकार के खोज ने कृषि को आसान बना दिया है। कई प्रकार की दवाईयाँ, बीजे, ट्रेक्टर और अन्य प्रकार की मशीनो ने कृषि को बहुत हि आसान बना दिया है।

(iii) स्वास्थ्य के क्षेत्र मे :- स्वास्थ्य के क्षेत्र मे विज्ञान की उपयोगिता सर्वाधिक है। आज मनुष्य ने अपनी अपनी मृत्यु को पीछे छोड़ दिया है। पहले जो मनुष्य 60 वर्ष जीने के सपने देखता था वह आज 100 साल तक जीने की कामना करता है। पहले जो बिमारियाँ जान-लेवा समझी जाती थी आज उन्हे विज्ञान की मदद से ठिक किया जा सकता है। आज संसार मे कैंसर, टी.बी., मलेरिया, पीलिया, आदि सभी बिमारियों का इलाज आसानी के साथ हो सकता है।

(iv) संचार के क्षेत्र मे :- आज मनुष्य आसानी से विज्ञान की मदद से एक स्थान से दूसरे स्थान पर

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

जा सकता है। आज मनुष्य एक स्थान से बैठे-बैठे कई स्थानों पर बात कर सकता है। विज्ञान ने आज हमें टेलीफोन, मोबाईल जैसे उपकरण दिए है जिससे आज मनुष्य अपने घर-पर बैठे-बैठे लंदन मे बैठे अपने भाई या अन्य रिश्तेदारो से बात कर सकता। विज्ञान ने आज इतनी प्रगति कर ली है कि मनुष्य ने अपने कोमल पैरो से चाँद की कठोर धरती को भी रौंद दिया है। आज संचार के द्वारा हम एक स्थान से दूसरे स्थान पर किसी भी माध्यम से जा सकते है। ~~के~~ ~~से~~ जैसे ~~कि~~ हम जमीनी सफर करने के लिए आज हम रोड, रेल्वे का इस्तेमाल करते है और पानी के माध्यम से हम जहाजो का उपयोग करते है। आज विज्ञान ने इतनी प्रगति कर ली ~~है~~ है कि मनुष्य आकाश के माध्यम से एक स्थान से दूसरे स्थान पर आसानी से और कम समय मे जा सकता है।

(V) मनोरंजन के क्षेत्र मे :- जीवन मे खेलो का बहुत अधिक महत्व है। आज खेलो ने मनुष्य के जीवन को तनाव मुक्त बना दिया है। विज्ञान के द्वारा दी गए टी.वी., रेडियो, डी.वी.डी., प्लेयर, आयपॉड आदि से हम अपने आप का मनोरंजन अलग-अलग प्रकार से कर सकते है। विज्ञान ने आज हमे कम्प्यूटर जैसे यंत्र दिये है जिससे हम कई प्रकार के उपयोगी कार्य कर सकते है। इसके द्वारा हम एक स्थान से दूसरे स्थान पर बात कर सकते है। ऑनलाइन मैच देख सकते है। विभिन्न प्रकार के गेम्स खेल सकते है आदि।

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

BSEMP

विज्ञान के दुर प्रभाव:- यह सच है कि विज्ञान ने मानव जीवन को कई क्षेत्रों में लाभान्वित किया है लेकिन यह भी सच है कि विज्ञान ने हमारे कई क्षेत्रों में दुर प्रभाव भी छोड़े हैं। आज विज्ञान के कारण करोड़ों लोगों के पास खुद की नौकरी नही है और बेरोजगारी की जिंदगी जी रहे हैं। विज्ञान के द्वारा आतंकवाद भी बढ़ रहा है। आतंकवादी विज्ञान के द्वारा दिए गए विभिन्न उपकरणों का इस्तमाल दूसरे मासूम लोगों पर करते हैं। विज्ञान के द्वारा कई प्रकार के बम बनाए गए हैं जिससे मानव जाति का सर्वनाश हो रहा है। इसका एक उदाहरण हम हिरोशिमा और नागासाकी में हुए बम धमाको को ले सकते अभी-(?) भारत के एक महत्वपूर्ण स्थान में भी आतंकवादियों ने अपनी धाक जमाई है। इसका उदाहरण हम फिलहाल हुए मनु मुम्बई धमाकों का ले सकते हैं।

उपसंहार:- विज्ञान मानव जीवन के लिए अति आवश्यक है। हमे विज्ञान का उपयोग सही दिशा में करना होगा। नही तो मानव जाति का सर्वनाश हो सकता है। विज्ञान को मानव की प्रगति में लगाना चाहिए में ही मानव का अस्तित्व इस दुनिया में मिटाने में सच ही कहा गया है:-

"विज्ञान एक अच्छा सेवक, परन्तु एक बुरा मालिक।"

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 20 के अंक = कुल अंक

मध्यप्रदेश

B
S
E
M
P

पृष्ठ के अंकों का योग

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 21 के अंक = कुल अंक

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 22 के अंक = कुल अंक

मध्यप्रदेश

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

23

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 23 के अंक = कुल अंक

मध्यप्रदेश

B S E M P

पृष्ठ के अंकों का योग

24

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 24 के अंक = कुल अंक

मध्यप्रदेश

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग